

## सीमा-शुल्क की चौकियाँ

\* ११९८. श्री भागवत झा आजाब: क्या बिहार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार भारत-पाकिस्तान की सीमा पर स्थित सीमा-शुल्क की चौकियों के हटाने के बारे में विचार कर रही हैं;

(ख) क्या सरकार का ध्यान पाकिस्तान सरकार के संचार मंत्री डा० खान साहब के उस वक्तव्य की ओर आकृष्ट हुआ है जिसमें उन्होंने कहा था कि वे अपनी सरकार से कहेंगे कि वह इन चौकियों को हटाने के लिए भारत सरकार को सुझाव दे; और

(ग) क्या इस सम्बन्ध में पाकिस्तान सरकार से कोई प्रस्ताव आया है?

राजस्व और रक्षा व्यय मंत्री (श्री ए० सी० गुह):

(क) से (ग): जी नहीं। इस प्रकार का कोई प्रस्ताव पाकिस्तान सरकार से अब तक नहीं मिला और न एंसा कोई प्रस्ताव भारत-सरकार के विचाराधीन है।

**Shri Bhagwat Jha Azad:** In view of the need for easy communications between the two countries, do Government propose to consider the removal of the check posts on the border of the two countries?

**Shri A. C. Guha:** As long as there are customs barriers, I think we cannot make a gesture of abolishing these check posts. If the relations between the two countries improve to such an extent as to have no customs barriers, then only this question can be considered.

**Shri Bhagwat Jha Azad:** Are we to understand that in recent years, between the two countries, the cases of smuggling have increased or decreased?

**Shri A. C. Guha:** I can give the figures for 1952, 1953 and 1954. The value of the goods seized in 1952 was Rs. 22 lakhs; in 1953, Rs. 20 lakhs; in 1954, Rs. 37 lakhs. Though the number of cases might not have increased, the value of the goods have increased.

## REFUSAL OF VISAS TO FOREIGNERS

\*1190. Chaudhri Muhammed Shaf-fee: Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) the number of foreigners and their nationalities who were refused visas for entry into India between the 1st January, 1953 and the 31st January, 1955; and

(b) the reasons for the refusal of the visas?

**The Deputy Minister of Home Affairs (Shri Datar):** (a) and (b). The information asked for is not readily available. Its collection will involve a great deal of time and labour which, it is considered, will be incommensurate with the result achieved.

## अंश-कालिक हिन्दी अध्यापक

\*११९३. सेंट गोर्गिन्स वास : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि केन्द्रीय सरकार के हिन्दी न जानने वाले कर्मचारियों को पढ़ाने के लिए जो अंश-कालिक हिन्दी अध्यापक रखे गए हैं उनका शुरुआती १२५ रुपये से घटा कर केवल सौ रुपये कर दिया गया है;

(ख) इसका कितने अध्यापकों पर प्रभाव पड़ा है; और

(ग) इस कमी के क्या कारण हैं?

शिक्षा मंत्री के सहायक (डा० एम० एम० वास): (क) जी नहीं।

(ख) और (ग). (क) में दिए हुए उत्तर को देखते हुए प्रश्न ही नहीं उठता।

सेंट गोर्गिन्स वास : क्या इस बात का भी कोई प्रयत्न किया जाता है कि जो हिन्दी भाषा-भाषी सज्जन नहीं हैं उनको ऐसे शिक्षक शिक्षा दें जो उन्हें की भाषा बोलते हैं और जो हिन्दी अच्छी तरह से जानते हैं? मसलन तामिल भाषाभाषियों को अगर हिन्दी सिखानी है तो